



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

शाधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 412]
No. 412]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 10, 1987/श्रावण 19, 1909
NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 10, 1987/SRAVANA 19, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1987

अधिसूचना

तारका नि. 701 (अ).—केन्द्रीय सरकार, सरकारी बचत बैंक अधि-
नियम, 1873 (1873 का 5) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का
प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त
नाम डाकघर (सार्वजनिक आय खाता) नियम 1987 है।

(2). ये नियम 15 अगस्त, 1987 को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ—इन नियमों में, अत्र तब कि संदर्भ से अन्यथा
अपेक्षित न हो :—

(क) 'खाता' से इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार जमाकर्ता
द्वारा खोला गया बचत खाता अभिप्रेत है ;

(ख) 'अधिनियम' से सरकारी बचत बैंक अधिनियम, 1873
(1873 का 5) अभिप्रेत है ;

(ग) 'जमाकर्ता' से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके द्वारा
या जिसकी ओर से इन नियमों के अधीन किसी खाते में

धन जमा किया जाता है और 'जमा' से इस प्रकार
जमा किया गया धन अभिप्रेत है ;

(घ) 'डाकघर' शाखा में कोई ऐंग्लिश बैंक अभिप्रेत है
जो बचत बैंक कार्य कर रहा हो और इन नियमों के
अधीन कोई खाता खोलने के लिए प्राधिकृत हो ;

(ङ) उन शब्दों और पदों के जो इनमें प्रयुक्त हैं और परिभाषित
नहीं हैं किन्तु डाकघर बचत बैंक साधारण नियम, 1981
में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके उन नियमों
में हैं।

3. डाकघर बचत बैंक साधारण नियम, 1981 और डाकघर
बचत खाता नियम, 1981 का लागू होना :— डाकघर बचत बैंक
साधारण नियम, 1981 और डाकघर बचत खाता नियम, 1981 के
उपबन्ध, उहां तक हो सके, उन मामलों के संबंध में लागू होंगे, जिनके
लिए इन नियमों में कोई उपबन्ध नहीं किया गया है।

4. खाता खोना :—कोई जमाकर्ता इन नियमों के अधीन एक खाते
से अधिक खाते इस शर्त के अधीन रहते हुए खोल सकेगा कि सभी
खातों में जमा रकम एक साथ मिलाकर एकल खाते में एक लाख रुपए से
और संयुक्त खाते में दो लाख रुपए से अधिक नहीं होगी।

5. जमा करना और निकालना :—(1) खाते में केवल एक जमा
पांच हजार रुपए या उसके गुणजों में होगी, जो एकल खाते की दशा

में एक लाख से और संयुक्त खाते की दशा में दो लाख से अधिक नहीं होगी।

(2) नियम 10 में उपबंधित के सिवाय किसी खाते के खोले जाने की तारीख से छह वर्ष की अवधि की समाप्ति के पूर्व इन नियमों के अधीन रकम निकाले जाने की अनुज्ञा नहीं होगी।

6. जमा की पद्धति:—(1) इन नियमों के अधीन जमा निम्नलिखित साधनों द्वारा किया जा सकेगा :

(क) नकद, या

(ख) जमाकर्ता या डाकघर के डाकपाल के पक्ष में लिखे गए और डाकपाल के पक्ष में पृष्ठांकित किए गए चेक या मांग वेय ड्राफ्ट द्वारा।

(2) जहाँ जमा चेक या मांग वेय ड्राफ्ट द्वारा किया जाता है, वहाँ इन नियमों के अधीन जमा की तारीख से चेक या मांग वेय ड्राफ्ट के नकदीकरण की तारीख होगी।

7. नामनिर्देशन:—(1) जमाकर्ता, इन नियमों के अधीन खाता खोलने के समय एक या अधिक व्यक्तियों को नामनिर्दिष्ट करेगा जो जमाकर्ता की मृत्यु की दशा में खाता पर जोध रकम के संदाय के हक्काज हो जायेंगे।

(2) यदि ऐसा नामनिर्देशन खाता खोलने के समय नहीं किया जाता है तो जमाकर्ता खाता खोलने के पश्चात् किन्तु उसको बन्द किए जाने के पूर्व, किसी भी समय डाकघर के डाकपाल को एक आवेदन देगा, जिसके साथ पास बुक होगी, ऐसा नाम निर्देशन कर सकता है।

8. जमा पर व्याज:—(1) इन नियमों के अधीन किए गए जमा पर व्याज बारह प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से मिलेगा।

(2) व्याज जमा की तारीख से मास की समाप्ति पर जमाकर्ता को मासिक रूप में संदेय होगा।

(3) यदि ऐसा प्राधिकृत किया जाता है तो, मासिक रूप में संदेय व्याज डाकघर द्वारा जमाकर्ता के उस डाकघर में, जहाँ रखा जा जाता है, रखे गए बचत खाते में इस शर्त के अधीन रखते हुए जमा किया जाएगा कि व्याज को इस प्रकार जमा करने में बचत खाते में श्रितियों की अधिकतम सीमा से अधिक रकम नहीं हो जाती है।

(4) यदि प्रतिमास संदेय व्याज का जमाकर्ता द्वारा दावा नहीं किया जाता है तो, ऐसा व्याज पर कोई अतिरिक्त व्याज अर्जित नहीं करेगा।

9. खाते का बन्द किया जाना:—(1) खाता खोलने के समय किया गया ऐसा खाता खोलने की तारीख से छह वर्ष की समाप्ति पर या उसके पश्चात् बंगला महति, जो जमा की गई रकम के दस प्रतिशत के बराबर होगा, उस डाकघर द्वारा जिसमें जमाकर्ता का खाता है, लिखित आवेदन के साथ प्रस्तुत किए जाने पर, बन्द किया जाएगा।

(2) परिपक्वता से पूर्व जमाकर्ता की मृत्यु होने की दशा में खाता बन्द किया जा सकेगा और जमा का उग मास के पूर्ववर्ती मास तक जिस में प्रतिदाय किया जाता है, व्याज सहित प्रतिदाय किया जा सकेगा।

10. खाते का समयपूर्व बन्द किया जाना:—(1) नियम 5 के उपनियम (2) में किसी बात के होते हुए भी, जमाकर्ता द्वारा इस बाबत आवेदन किए जाने पर, उसे जमा वापस लेने की और ऐसा खाता खोलने की तारीख से एक वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् किसी समय इस शर्त के अधीन रखते हुए खाता बन्द करने की अनुज्ञा दी जा सकेगी कि जमा के पांच प्रतिशत के बराबर रकम की कटौती कर ली जाएगी और शेष रकम उसे संबल कर दी जाएगी।

11. पास बुक:—(1) खाता खोलने पर, जमाकर्ता को एक पास बुक दी जाएगी जिसमें खाता खोलने की तारीख, उसके खाते की संख्या, उसका नाम और पता तथा जमा की गई रकम और प्रतिमास संदेय व्याज उस तारीख के साथ रहेगा, जिसको जमा ग्रंथि संदाय के लिए देय होगा।

(2) पासबुक प्रतिमास व्याज का संग्रह करने समय और खाता बन्द करने समय भी, डाकघर में प्रस्तुत की जाएगी।

(3) वह जमाकर्ता, जो नियम 8 के उपनियम (3) के अधीन अपने बचत खाते में व्याज को जमा करने की सुविधा का लाभ लेता है, पासबुक को छह मास में कम से कम एक बार, प्रविष्टियाँ पूरी करने के लिए डाकघर में प्रस्तुत करेगा।

12. शिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि इन नियमों के उपबन्धों में से किसी के प्रवर्तन से जमाकर्ता को असम्यक् कठिनाई होगी वहाँ वह, आदेश द्वारा, ऐसे कारणों में जो लेखबद्ध किए जाएंगे, उस उपबन्ध की अपेक्षाओं को ऐसी रीति में, जो अधिनियम के उपबन्धों में असंगत न हो, शिथिल कर सकेगी।

[सं.फ. 2/6/87-मं.एस.]
के.एस. शास्त्री, अपर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 10th August, 1987

NOTIFICATION

G.S.R. 701(E).—In exercise of the powers conferred by section 15 of the Government Savings Bank Act, 1873 (5 of 1873) the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Post Office (Monthly Income Account) Rules, 1987.

(2) They shall come into force on the 15th day of August, 1987.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) 'account' means a savings account opened by a depositor in accordance with the provisions of these rules;

(b) 'Act' means the Government Savings Bank Act, 1873 (5 of 1873);

(c) 'depositor' means a person by whom, or on whose behalf, money is deposited under

these rules in an account and "deposit" means the money so deposited;

- (d) 'post office' means any post office in India doing savings bank work and authorised to open an account under these rules;
- (e) Words and expressions used herein and not defined but defined in the Post Office Savings Bank General Rules, 1981 shall have the meanings respectively assigned to them in those rules.

3. Application of the Post Office Savings Bank General Rules, 1981 and the Post Office Savings Account Rules, 1987.—The provisions of the Post Office Savings Bank General Rules, 1981 and the Post Office Savings Account Rules, 1987 and the may be, apply in relation to matters for which no provision has been made in these rules.

4. Opening of account.—A depositor may open more than one account under these rules subject to the condition that deposits in all accounts taken together shall not exceed rupees one lakh in single account and rupees two lakhs in joint account.

5. Deposits and withdrawals.—(1) There shall be only one deposit in the account of five thousand rupees or multiples thereof not exceeding rupees one lakh in case of single account and rupees two lakhs in case of joint account.

(2) Except as provided in rule 10, no withdrawal shall be permitted under these rules before the expiry of a period of six years from the date of opening of an account.

6. Mode of deposit.—(1) The deposit under these rules may be made :

- (a) in cash, or
- (b) by cheque or demand draft drawn in favour of depositor or the postmaster of the post office and endorsed in favour the postmaster.

(2) Where deposit is made by cheque or demand draft, the date of deposit under these rules shall be the date of encashment of the cheque or the demand draft.

7. Nomination.—(1) The depositor may at the time of opening the account under these rules, nominate a person or persons who, in the event of death of the depositor, shall become entitled to payment of amount due on the account.

(2) If such nomination is not made at the time of opening the account, it may be made by the depositor at any time after the opening of the account but before its closure by means of an application, accompanied by the pass book to the postmaster of the Post Office.

8. Interest on deposit.—(1) The deposit made under these rules shall bear interest at the rate of 12 per cent per annum.

(2) The interest shall be payable monthly to the depositor on completion of a month from the date of deposit.

(3) If so authorised, interest payable monthly shall be deposited by the post office in the savings account of the depositor held at the post office where deposit is held subject to the condition that by so depositing the interest, maximum limit on balances in savings account is not exceeded.

(4) If the interest payable every month is not claimed by a depositor, such interest will not earn any additional interest.

9. Closure of account.—(1) The deposit made at the time of opening of account shall be paid by the post office at which the account stands to the depositor on or after expiry of six years from the date of the opening along with bonus equal to 10 per cent of the amount deposited,—on production of the pass book accompanied by a written application.

(2) In case of death of a depositor before maturity, account may be closed and deposit refunded along with interest upto the month preceding the month in which refund is made.

10. Premature closure of account.—(1) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2) of rule 5, on an application made by the depositor in this regard, he may be permitted to withdraw the deposit and close the account any time after expiry of a period of one year from the date of opening such account, subject to the condition that an amount equal to 5 per cent of the deposit shall be deducted and remainder paid to him.

11. Pass Book.—(1) On opening an account, the depositor shall be given a pass book bearing the date of opening of account, the number of his account, his name and address and the amount deposited and also the monthly interest payable alongwith the date on which the deposit will be due for final payment.

(2) The pass book shall be presented to the post office at the time of collecting interest every month and also at the time of closing the account.

(3) The depositor availing facility of credit of interest in his savings account under sub-rule (3) of rule 8 shall present the pass book to the post office atleast once in six months for completion of entries.

12. Power to relax.—Where the Central Government is satisfied that the operation of any of the provisions of these rules causes undue hardship to the depositor, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax the requirements of that provision in a manner not inconsistent with the provisions of the Act.

No. F. 2[6/87-NS.]

K. S. SASTRY, Addl. Secy.

